

नमो भगवते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 भक्त्या यदा क्री वीर्यम्
 भुङ्क्ते भक्तिविभक्त्या यदा
 स्त्रीमां विना कर्मफल
 मगिरिराज कञ्चुकल
 लभेत्तु वरमां पुनर्भाभि
 मवीमां ० मष्टुष्टु मन्त्र
 वरसुलकं विनष्टं मि
 द भुङ्क्ते मभक्तिवाम्
 रथा विनीम क्रमद्वयं
 मधुरभिसृष्टु भुङ्क्ते
 मकल्लाल ३ भुङ्क्ते मि
 उं भुङ्क्ते मिरा मक्तिवाम्

2

ठं कुचरविचमरमधुम
 करसुहृभा भुजाकला
 धमलिसाभरमीधिताङ्गी
 कल्ला ३ भनभुतिभू
 लयकोडभकाविल्लभा
 मीरेमेविचुलदरीमल
 नंमयवीभा वृद्धेचुवि
 धुधरभिसुग ७ मिताङ्गी
 कल्ला ४ कैरीएरुड
 भलिजुल्लममकचडा
 निडंमभचरणगडांरुय
 नमिनीम डैलेडैलेक
 रुचभगरडा रिल्लीमक
 ल्ला ५

श्री.

3

उंमालाउसुडिठराभि
 उपमद भुंभडुल्ल
 धमवमनंभिडाठिउ
 दाराभा मैउनुकाय
 ठयकारलदरिल्ली
 मकल्लाल ७ मधु
 मसैकुणवरेसभमसु
 कंउंठिगुडरांमुकल
 यामभुमेठिवडाभा
 मीरिमभुजिकविमल
 विधानुगठं कल्लाल १
 भसुत्रकंठिविलभ
 कुमलीलडाठंवि



4

श्रीलक्ष्मीविमलम्भ
 मेठिडाङ्गीभा धाम्म
 विष्णुगल्लेनभभसुर
 ज्ञीकल्लालभमेवरमा
 भुलभाभिमयीभा ॥ ३ ॥

तिरुतिरुथप्पुण्ये
 निभममिउधाम्मयुगे
 विष्णये रुतभक्तिधा
 भुगमद्य निवारलउड्ड
 लल्लभुभये ठणवडि
 मविभक्तुठयनामि
 श्री. निनिमलठक्तिपर



5

एय एय मे विभभा भाउच
 द्विणि मसिन भेदि धर ०
 भकल मर मर विश्वरूप
 भुति भन भद्र भूलय
 भकल भुर भुर किन्नर
 भिद्र भुर चू रूपा निलय
 मिडि भुत भुनि भुभुर
 भुल निमल एी चलय
 एय ३ धर भस भापिध
 राय ल भल्ल च दू डू रू
 चुरण ठव भल्ल कद्र भभ
 प्रसगीर भभ भुर ल भुठगे



6

श्रयभनिरुद्धं कृष्णं शुभं धा
 सनिरुद्धं न मेष्टुन ध्येणय ३
 सुभिउद्धर्मैरिमैविउष्टा
 धरिप्रलसरीरणर रिधुम
 कमानवमैरुविनिनउर
 ऊनिधानकर वधुमस
 वाहुविल्लप्रकृष्णं शुभक
 कृष्णकात्रिणर एणयण ४
 उपवनकेकिल्लधधुम
 निःश्रुतभाकुल्लभकुम
 न भणउभ उठचउरि
 निःश्रुतः पनिरुद्धं रिगिल्लभा

श्री.



7

कृष्णने भिउकर थपुणव
 कुङ्कुडामन भुतिक भवयने
 एणयणय ५ सवधभक
 भुरयाण विभुकिउ भेकिउ
 भुणुकर नवडा ठुवठभुर
 थापुड भव विरिक्किपर
 एणन निमभकु गवकु नि
 वाभिनि मिडु गरिउण
 एणयणय ७ कविउथी
 ० मडु पुयवाभि निभाड
 गल्लः भकिउ कूमयथवा
 नूनठमउ निमल्लयभव

8

माधलत सुभितभित
 नीलकरिहमभासित
 उपसन्त एयएय १ डि
 वनभक्तिकालकल
 निवाभलवेचिते मि
 नकरकेसितभितभि
 निठारउवद्यभते सुवि
 कउकुलिनीकुलरेडि
 उनिमलप्रभलते एय उ
 भमधितभन्नुभनीभुभरे
 पविमंथडिममभापे
 श्री सुठिनमनिमलकात्रिप



9

गन्ननपाथरुपरम कु
 विभषकैएठमानव
 भंमभठक्रिमिधिरभु
 त्वे एणयएमेविभभा
 भउवसिमिमजिनम
 लिपर ७ ठगवडि
 पाहुभपेसुरिकरुभु
 पाभननभभये सुद
 उकवेमम।उपुयभउ
 रिहभयभवमये डि
 एणडिनिहभनपु
 रुम।यिनिभापुएन
 भुभउ एणएणयम

10

विभभाभुडवद्विलिम
सिनमैरुधर ०० ॥
भुक्तप्रगल् विष्णुभेजा
मयीगाथाः ॥